

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issues raised by the hon. Member.

Deployment of teachers of Government Primary Schools in non-teaching activities

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, प्राइमरी एजुकेशन शिक्षा का आधार होता है। अगर वही ठीक नहीं है, तो उसके ऊपर इमारत बन जाती है, लेकिन वह कभी भी गिर जाती है, उसका कोई वजन नहीं रहता है। स्थिति यह है। मुझे और राज्यों का नहीं मालूम, लेकिन उत्तर प्रदेश में लोग मजबूरन प्राइमरी स्कूलों में गरीबी की वजह से अपने बच्चों को पढ़ाते हैं। अगर कोई आदमी संपन्न है तो वह सरकारी प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को ले ही नहीं जाता है, क्योंकि वहां पढ़ाई ही नहीं हो पाती। वहां एक अध्यापक होता है या दो होते हैं तो एक की ड्यूटी लग जाती है कि वह मिड-डे-मील का हिसाब दे। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : प्लीज, आपस में बैठकर बात न करें।

प्रो. रामगोपाल यादव : महीने में तीन-चार दिन उसे ब्लॉक में जाना पड़ता है, संकुल पर रिपोर्ट देनी पड़ती है, कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है, इससे पढ़ाई-लिखाई खत्म हो जाती है। हैडमास्टर को भी रिपोर्ट देनी पड़ती है। एक चलन इस देश में यह और हो गया है कि जब आप कहीं टेलीफोन करते हैं, दिल्ली में करो तो पता चलता है कि फलां मीटिंग में हैं। केन्द्र से लेकर राज्यों तक हर जगह मीटिंग्स ही मीटिंग्स होती हैं, पढ़ाई-लिखाई कुछ नहीं होती। टीचर्स की भी मीटिंग होती है। पहले पंचायत में होती थी, अब ब्लॉक पर होने लगी है और जिले पर भी होने लगी है। जहां एक ही अध्यापक है या दो ही अध्यापक हैं, वहां पढ़ाई हो ही नहीं सकती। गरीब आदमी तो अपने बच्चों को पब्लिक स्कूल में पढ़ा ही नहीं सकता। उसके बच्चों को मजबूरन इसी तरह से रहना पड़ता है।

मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि हर प्राइमरी स्कूल में कम से कम एक कम्प्यूटर जानने वाला क्लर्क appoint करने की व्यवस्था करें। जो BLO और CLO की ड्यूटी लगती है, उसमें भी साल भर चुनाव चलते रहते हैं, उसमें भी टीचर्स की ड्यूटी लग जाती है, उन्हें उस ड्यूटी से वंचित किया जाये, पढ़ाई पढ़ाई की तरह हो, गरीब लोग अपने बच्चों को ठीक तरीके से पढ़ा सकें, यह मेरी आपसे मांग है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Tiruchi Siva to associate. As per the rules, please complete in a minute. जो माननीय सदस्य associate करना चाहते हैं, वे कृपया अपना नाम यहां भेज दें।

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, it is a problem of lakhs of teachers. The teaching profession is one of the most respected ones, which has a very important role to play in the life of students, making them future professionals and to mould the country. They are not treated in a manner they should be. According to a UNESCO report, 69 per cent of the teachers employed are getting less than what they should. Their qualification is high whereas their salary is very low. This has to be addressed very seriously. This not only concerns the schools but also the colleges with regard to guest lecturers. ...*(Interruptions)*... Sir, to say very frankly, they are being ill-treated. A girl married to a family where the mother-in-law is getting Rs.15,000 in an unorganized sector, this girl is getting only Rs.6,000 with a degree of M.A. and M.Phil. This is very saddening. Experts have come to a conclusion that this is only because the majority of teachers are women and they are considered as a source of second income in the family. Mostly, they are vulnerable to exploitation because of socio-economic condition.

So, Sir, the Government should take it very seriously and evolve measures to introduce a uniform, minimum standard of working conditions. Also, on the terms of work, especially in self-financing colleges and also in private schools, the teachers are being treated in a very disrespectful manner; they are also deployed for election duties, which is an excess duty. The Government should consider teachers as teachers. Thank you very much, Sir.

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश) :महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश) :महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश) :महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) :महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) :महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार) :महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI M. SHANMUGAM (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI T.K.S. ELANGO VAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.